Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5502]-1011

M.A. (Part I) (Sem. I) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-1 : सामान्य स्तर

प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य

(अमीर खुसरो और जायसी)

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य
संपादक : डॉ. भोलानाथ तिवारी
(*ii*) पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी
संपादक : वासुदेवशरण अग्रवाल

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अमीर खुसरो की पहेलियों की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अमीर खुसरो के काव्य की देन को विशद कीजिए।

2. ''जायसी का 'पद्मावत' प्रेम का दिव्य काव्य है''—सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

munotes.in

अथवा

" 'पद्मावत' में महाकाव्य के सभी गुण विद्यमान हैं"—विवेचन कीजिए।

3. अमीर खुसरो का खड़ीबोली हिंदी के विकास में योगदान स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"जायसी ने 'पद्मावत' में बहुरूपा प्रकृति को विविध रूपों में अंकित किया है"—स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अमीर खुसरो के काव्य में चित्रित सामाजिक जीवन

(ख) अमीर खुसरो की भाषा

(ग) राजा रत्नसेन का चरित्र-चित्रण

(घ) 'पद्मावत' की अलंकार योजना।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) "आठ अंगुल का है वह असली।
उसके हड्डी न उसके पसली॥
लटाधारी गुरू का चेला।
ऐ सखी साजन, ना सखी केला॥"

अथवा

"वह आये तब शादी होय।
उस बिन दूजा और न कोय॥
मीठे लागैं वाके बोल।
ऐ सखी साजन, ना सखी ढोल॥"

munotes.in

(ख) ''लागी केलि करै मँझ नीरा। हंस लजाइ बैठ होइ तीरा॥
पदुमावति कौतुकि करि राखी। तुम्ह ससि होहु तराइन साखी॥
बादि मेलि कै खेल पसारा। हारु देइ जौं खेलत हारा॥
सँवरहि साँवरि गोरिहिं गोरी। आपनि आपनि लीन्ह सो जोरी॥
बूझि खेल खेलहु एक साथा। हारु न होइ पराएँ हाथा॥''

अथवा

''रोह गँवाएउ बारह मासा। सहस सहस दुख एक एक साँसा॥
तिल तिल बरिस बरिस बरु जाई। पहर पहर जुग जुग न सिराई॥
सो न आउ पिय रूप मुरारी। जासों पाव सोहाग सो नारी॥
साँझ भये झुरि झुरि पँथ हेरा। कौन-सो घरि करै पिउ फेरा॥
दहि कोइल भै कंत सनेहा। तोला माँस रहा नहिं देहा॥''

munotes.in

Total No. of Questions—**5**]

[Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-1012

M.A. (Part I) (I Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी) (विशेषस्तर प्रश्नपत्र-2)

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)

(2013 PATTERN)

पाठ्यपुस्तकें :— (1) कलि-कथा : वाया बाइपास—अलका सरावगी

(2) हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ—संपा. डॉ. सुरेश बाबर
डॉ. विठ्ठल सिंह ढाकरे

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :— (1) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. 'आधुनिक कहानी में परिवर्तन का विचार व्यक्त हुआ है'—पठित कहानियों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'यह मेरा वतन' कहानी के शिल्पपक्ष का विवेचन कीजिए।

2. 'कलि-कथा : वाया बाइपास' उपन्यास के शांतनु का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'कलि-कथा : वाया बाइपास' उपन्यास का संदेश स्पष्ट कीजिए।

3. 'पुरस्कार' कहानी का तत्व के आधार पर विवेचन कीजिए।

अथवा

'उसकी माँ' कहानी में वर्णित स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) 'हंसा जाई अकेला' कहानी का उद्देश्य।

(2) 'मुम्बई कांड' कहानी का परिवेश।

(3) 'कलि-कथा : वाया बाइपास' उपन्यास की भाषा-शैली।

(4) 'कलि-कथा : वाया बाइपास' उपन्यास में संवाद-योजना।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) "कल्पना का आनंद नहीं मधूलिका, मैं तुम्हें राजरानी के सम्मान से सिंहासन पर बिठाऊँगा; तुम अपने छिने हुए खेत की चिन्ता करके भयभीत न हो।"

अथवा

"जान-बूझकर तो कुछ नहीं किया। हम तो भइया की तरह मेहरारू को आँख उठाकर भी नहीं देखते। यह रतौन्हीं साली जो न कराये।"

(ख) "चिंता मत करो माँ। सब ठीक हो जाएगा। आज पापा का डॉक्टर विलायत से लौट रहा है। उसके पास जरूर कोई नया इलाज होगा।"

अथवा

"ताकत और पैसों के पीछे पागल लोगों की कोई अलग जाति नहीं होती। वे सब एक ही जाति के होते है। वे अनादि काल से अपने को बेचते आए हैं और हमेशा बेचते रहेंगे।

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-1013

M.A. (Part I) (I Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-3 : विशेष स्तर

भारतीय साहित्यशास्त्र

(2013 PATTERN)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. साधारणीकरण की अवधारणा बताकर रस निष्पत्तिसंबंधी आचार्यों के मतों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रस का स्वरूप स्पष्ट करते हुए करुण रस का आस्वाद विशद कीजिए।

2. अलंकार सिद्धांत का स्वरूप लिखकर अलंकारों का महत्व स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रीति की परिभाषाओं का विवेचन करते हुए रीति और शैली के संबंध पर प्रकाश डालिए।

3. ध्वनि सिद्धांत का परिचय दीजिए।

अथवा

वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट करते हुए काव्य में वक्रोक्ति के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) रस के अंगों को लिखिए।

(ख) वक्रोक्ति के भेदों का परिचय दीजिए।

(ग) रीति संप्रदाय के स्वरूप को लिखिए।

(घ) काव्य में औचित्य के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अलंकार और रस का संबंध

(ख) रीति के भेद

(ग) ध्वनि सिद्धांत का महत्व

(घ) औचित्य का स्वरूप।

munotes.in

Total No. of Questions—**5+5+5+5**] [Total No. of Printed Pages—**10**

Seat No.	

[5502]-1014

M.A. (Part I) (First Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

(Optional Paper I)

प्रश्न-पत्र 4 : विशेष स्तर वैकल्पिक

(2013 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

(आ) विशेष साहित्यकार : कवि तुलसीदास

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि रामधारी सिंह 'दिनकर'

munotes.in

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

पाठ्य-पुस्तक : कबीर ग्रंथावली—संपादक : श्यामसुंदर दास।

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. कबीर के काव्य में समन्वय की भावना किस प्रकार व्यक्त हुई है ? विवेचन कीजिए।

अथवा

संतकाव्य परंपरा में कबीर का स्थान निर्धारित कीजिए।

2. कबीर काव्य में वर्णित ब्रह्म तथा माया संबंधी दार्शनिक विचारों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कबीर काव्य की प्रासंगिकता को सोदाहरण समझाइए।

3. कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कबीर के निर्गुण राम की विशेषताएँ लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) कबीर के जीव संबंधी दार्शनिक विचारों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) कबीर के काव्य में वर्णित विरह-भावना पर प्रकाश डालिए।

(ग) कबीर ने काल (मृत्यु) के संबंध क्या कहा है ? सोदाहरण समझाइए।

(घ) कबीर की उलटबासियों की विशेषताएँ लिखिए।

munotes.in

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) सतगुर की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार।
लोचन अनँत उघाड़िया अनँत दिखावणहार॥

अथवा

प्रेम न खेती नींपजे, प्रेम न हाटि बिकाइ।
राजा परजा जिस रुचै, सिर दे सो ले जाइ॥

(ख) कबीर जंत्र न बाजई, टूटि गए सब तार।
जंत्र बिचारा क्या करै, चलै बजावणहार॥

अथवा

पंडित बाद बदंते झूठा।
राम कहा दुनियाँ गति पावै, षाँड कहा मुख मीठा॥
पावक कहा मूष जे दाझैं, जल कहि त्रिषा बुझाई।
भोजन कहा भूष जे भाजै, तौ सब कोई तिरि जाई॥
नर कै साथ सूवा हरि बोलै, हरि परताप न जानै।
जो कबहूँ उड़ि जाइ जंगल में, बहुरि न सुरतै आनै॥
साची प्रीति विषै माया सूँ, हरि भगतनि सूँ हासी।
कहै कबीर प्रेम नहीं उपज्यौ, बाँध्यौ जमपुरि जासी॥

munotes.in

[5502]-1014

(आ) विशेष साहित्यकार : कवि तुलसीदास

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) रामचरितमानस : अयोध्याकांड

(*ii*) विनयपत्रिका—संपादक : वियोगी हरि।

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. तुलसीदास की भक्ति-भावना को समझाइए।

अथवा

रामचरितमानस का कथानक संक्षेप में लिखिए।

2. रामचरितमानस के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

तुलसीदास का हिंदी साहित्य में स्थान निर्धारित कीजिए।

3. विनयपत्रिका का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

अथवा

विनयपत्रिका के कला-पक्ष पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) रामचरितमानस में चित्रित प्रकृति-चित्रण को समझाइए।

(ख) रामचरितमानस की भाषा-शैली को लिखिए।

(ग) विनयपत्रिका में गीति तत्व की विवेचना कीजिए।

(घ) विनयपत्रिका में व्यक्त दास्य-भाव को समझाइए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''मुदित महिपति मंदिर आए। सेवक सचिव सुमंत्रु बोलाए॥
कहि जयजीव सीस तिन्ह नाए। भूप सुमंगल बचन सुनाए॥
जौं पाँचहि मत लागै नीका। करहु हरषि हियँ रामहि टीका॥
मंत्री मुदित सुनत प्रिय बानी। अभिमत बिरवँ परेउ जनु पाणी।''

अथवा

''बाजहिं बाजने बिबिध बिधाना! पूर प्रमोदु नहिं जाइ बखाना॥
भरत आगमनु सकल मनावहिं। आवहुँ बेगि नयन फलु पावहिं॥
हाट बाट घर गलीं अथाई। कहहिं परसपर लोग लोगाई॥
कालि लगन भलि केतिक बारा। पूजिहि बिधि अभिलाषु हमारा॥''

(ख) ''मंगल-मूरति मारुत-नन्दन। सकल अमंगल-मूल-निकन्दन॥१॥
पवनतनय संतन-हितकारी। हृदय बिराजत अवध-बिहारी॥२॥
मातु-पिता, गुरु, गनपति, सारद। सिवा-समेत संभु, सुक, नारद॥३॥
चरन बंदि बिनवौं सब काहू। देहु रामपद-नेह-निबाहू॥४॥''

अथवा

''कबहुँक अम्ब अवसर पाइ।
मेरिऔ सुधि द्याइबी, कछु करून-कथा चलाइ॥१॥
दीन सब अंगहीन छीन मलीन अघी अघाइ।
नाम लै भरै उदर एक प्रभु-दासी-दास कहाइ॥२॥

munotes.in

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) सेतुबंध।

(*ii*) सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक।

(*iii*) आठवाँ सर्ग।

(*iv*) रति का कंगन।

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. हिंदी नाटक साहित्य के विकासक्रम का संक्षेप में परिचय दीजिए।

अथवा

सुरेंद्र वर्मा के नाट्य चिंतन पर प्रकाश डालिए।

2. नाटक कला के तत्वों के आधार पर 'रति का कंगन' नाटक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक'' नाटक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

3. 'सेतुबंध' नाटक के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी रंगमंच के क्षेत्र में सुरेंद्र वर्मा का स्थान निर्धारित कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के प्रमुख तत्वों का विवेचन कीजिए।

(ख) 'सेतुबंध' नाटक के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'रति का कंगन' नाटक की भाषाशैली पर प्रकाश डालिए।

(घ) सुरेंद्र वर्मा के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(च) ''विषाद की उस छाया में मैं कोई और अर्थ नहीं पढ़ पाई। शोक का जो रूप देखा, उसे सहज ही समझा। इतने ख्यातिप्राप्त कवि थे, भूतपूर्व शिक्षक थे, उनके पिता के स्नेहभाजन थे। कुछ अस्वाभाविक, कुछ विशेष समझने का कारण ही कहाँ था ?

अथवा

''मैंने कहा क्या है ? .... सीधा-सादा प्रश्न पूछा रहा हूँ कि प्राथमिकता किसे दोगी ? .... स्वास्थ्य को .... या सौंदर्य को .... या रंग को .... ?''

(छ) '' .... ऐसे अधर्मी और अनाचारी कवि के सम्मान समारोह में जो भाग ले, वह पापी है। .... तुरंत राजपुरोहित और धर्माध्यक्ष खड़े हो गए और सम्राट से क्षमा माँगने लगे कि वे इस आयोजन में भाग नहीं लेंगे।''

अथवा

''तुम फिर आ गए अपने धरातल पर! तुम मानक लेखक हो जो तुम्हें मानक प्रतिशत मिलेगा ? वैसे भी तुम्हारे जैसे नए लेखिनीघसीटू को मानदेय देता कौन है ? एकबारगी भुगतान करके प्रकाशक प्रलय के लिए मोल ले लेता है।''

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि रामधारी सिंह 'दिनकर'

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) कुरुक्षेत्र

(*ii*) उर्वशी

(*iii*) हुंकार

(*iv*) बापू

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. 'कुरुक्षेत्र' काव्य के अभिव्यक्ति पक्ष पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'उर्वशी' काव्य की कथावस्तु को स्पष्ट कीजिए।

2. 'हुंकार' काव्य के अनुभूति पक्ष को विशद कीजिए।

अथवा

'बापू' काव्य के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

3. कवि 'दिनकर' के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

दिनकर के काव्य में ''प्रगतिवादी चेतना की अभिव्यक्ति हुई है''—स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) कवि दिनकर राष्ट्रीय कवि हैं। समझाइए।

(ख) 'कुरुक्षेत्र' के काव्य-सौष्ठव को लिखिए।

(ग) 'उर्वशी' काव्य का अनुभूति-पक्ष लिखिए।

(घ) 'हुंकार' काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) "श्रृंख चढ़ जीवन के आर-पार हेरत-से
योगलीन लेटे थे पितामह गंभीर-से।
देखा धर्मराज ने, विभा प्रसन्न फैल रही
श्वेत शिरोरुह, शर-ग्रथित शरीर-से।"

अथवा

अतिक्रमण सुख की तरंग, तन के उद्वेलित मधु का ?
तुम तो जगा रहे मुझ में फिर उसी शीत महिमा को
जिसे टांग कर पारिजात-द्रुम की अकम्प टहनी में
मैं चपलोष्ण मानवी-सी भू पर जीने आई हूँ।"

(ख) "भू पर तो आते वे भी जो जीता या हारा करते हैं,
मिट्टी में छिपे अनल को अपनी ओर पुकारा करते हैं।
जीते लपटों के बीच मचा धरणी पर भीषण कोलाहल,
जाते-जाते दे जाते हैं भावी युग को निज तेज-अनल।"

munotes.in

अथवा

''जिसे निशी खोजती तारे जलाकर
उसी का कर रहा अभिसार हूँ मैं
जनम कर मर चुका सौ बार लेकिन
अगम का पा सका क्या पार हूँ मैं।''

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-2011

M.A. (Part I) (Second Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-5 (सामान्य स्तर)

मध्ययुगीन हिंदी काव्य : सूरदास, बिहारी तथा भूषण

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) सूरदास : भ्रमरगीत सार, संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(*ii*) बिहारी रत्नाकर : श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

(*iii*) रीतिकाव्य धारा : संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी

डॉ. रामफेर त्रिपाठी

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. सूरदास के भ्रमरगीत की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"भ्रमरगीत विरह काव्य का अद्‌भुत उदाहरण है" – विशद कीजिए।

2. "बिहारी रीतिसिद्ध कवि हैं" – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"बिहारी" के श्रृंगार वर्णन पर प्रकाश डालिए।

3. भूषणकालीन राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों को विशद कीजिए।

अथवा

भूषण के काव्य-सौंदर्य का विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) सूर के वात्सल्य वर्णन को लिखिए।

(ख) बिहारी की बहुज्ञता पर प्रकाश डालिए।

(ग) भूषणकालीन सांस्कृतिक परिस्थिति को समझाइए।

(घ) सूर की भाषाशैली पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) "हमारे हरि हारिल की लकरी।
मन बच क्रम नन्दनन्दन सों उर यह दृढ़ करि पकरी॥
जागत, सोबत, सपने सौंतुख कान्ह-कान्ह जकरी।
सुनतहि जोग लगत ऐसो अलि! ज्यों करुई ककरी॥"

(ख) "कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौंन में करत हैं, नैननि ही सों बात॥"

(ग) "कामिनि कंत सों जामिनि चंद सों, दामिनि पावस मेघ घटासों।
कीरति दान सों सूरति ज्ञान सों प्रीति बड़ी सनमान महासों॥
भूषन भूषन सों तरुनी नलिनी नव पूषनदेव प्रभा सों।
जाहिर चारिहु ओर जहान लसै हिंदुआन खुमान सिवा सों॥"

munotes.in

Total No. of Questions—**5**]

[Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-2012

M.A. (Part I) (Sem. II) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-6 : विशेष स्तर

(आधुनिक हिंदी नाटक और निबंध)

(2013 PATTERN)

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) नाटक 'अभंग-गाथा' : डॉ. नरेंद्र मोहन

(*ii*) निबंधमाला संपा. : डॉ. सुरेश बाबर

डॉ. नील बोर्वणकर

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'अभंग-गाथा' नाटक में चित्रित समस्याओं को लिखिए।

अथवा

'अभंग-गाथा' नाटक के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए।

2. 'बुद्धिजीवी' निबंध में चित्रित आधुनिक बोध को लिखिए।

अथवा

'कलाकार का सत्य' निबंध के भावार्थ को लिखिए।

P.T.O.

munotes.in

3. 'अभंग-गाथा' नाटक की तात्विक समीक्षा कीजिए।

अथवा

संस्कृति है क्या ? निबंध में व्यक्त संस्कृति और सभ्यता का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अभंग-गाथा नाटक की जीजाई

(ख) अभंग-गाथा नाटक के देशकाल-वातावरण

(ग) 'ताज' की सुन्दरता

(घ) 'पानी है अनमोल' निबन्ध की विचारात्मकता।

munotes.in

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''तुम्हारा कोई कसूर नहीं, कसूर मेरा है। मैं ही उड़ता रहता हूँ तिनके-सा हवा में यहाँ-वहाँ। मुझे खुद पता नहीं मैं क्या चाहता हूँ।

अथवा

''यह तो तुका के अक्षर हैं—वही शब्द-वही संदेश-प्रेम का ढाई आखर मेरा पीछा नहीं छोड़ रहा। मेरी मर्जी के खिलाफ मेरे हृदय में दाखिल होता जा रहा है।''

(ख) ''कर्म के मार्ग पर आनन्दपूर्वक चलता हुआ उत्साही मनुष्य यदि अन्तिम फल तक न भी पहुँचे, तो भी उसकी दशा कर्म न करने वाले की अपेक्षा अधिकतर अवस्थाओं में अच्छी रहेगी।

अथवा

''भारतीय जनतंत्र पंचमुख-परमेश्वर है, सबसे ऊपर वाला मुख ईशान है, जिसका कोई व्यक्त आकार नहीं, जिसकी कोई व्यक्त भाषा नहीं, यह मुख है राज्याध्यक्ष, एकदम निरपेक्ष, पर सबसे ज्यादा चन्दन का लेप इसी मुख पर होता है और सबसे फूल-मालाएँ इसी पर पड़ती हैं।''

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-2013

M.A. (Part I) (II Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र–7 : विशेषस्तर

पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

(2013 PATTERN)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. प्लेटो के अनुकरण सिद्धांत पर प्रकाश डालिए।

अथवा

विरेचन सिद्धांत का स्वरूप और त्रासदी का विवेचन कीजिए।

2. उदात्त की व्याख्या करते हुए लोंजाइनस का योगदान लिखिए।

अथवा

आई.ए. रिचर्ड्स का योगदान विशद कीजिए।

3. इलियट के वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत का स्वरूप लिखिए।

अथवा

सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना के तत्वों पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) प्लेटो के काव्य सिद्धांत पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

(ख) संप्रेषण सिद्धांत का स्वरूप लिखिए।

(ग) काव्य के संबंध में इलियट के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

(घ) अस्तित्ववाद की विशेषताएँ लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(च) काव्य में उदात्त का महत्व

(छ) मार्क्सवादी आलोचना

(ज) उत्तर आधुनिकता

(झ) बिंबवाद।

munotes.in

Total No. of Questions—**5+5+5+5**] [Total No. of Printed Pages—**8**

Seat No.	

[5502]-2014

M.A. (Part I) (Second Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

(Optional Paper I)

प्रश्न-पत्र 8 : विशेषस्तर : वैकल्पिक—विशेष विधा तथा अन्य

(2013 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) हिंदी उपन्यास

(ख) हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

(घ) हिंदी दलित साहित्य

munotes.in

(क) हिंदी उपन्यास

पाठ्य-पुस्तकें : (*i*) चित्रलेखा—भगवतीचरण वर्मा

(*ii*) गोदान—प्रेमचंद

(*iii*) अलग-अलग वैतरणी—शिवप्रसाद सिंह

(*iv*) परिशिष्ट—गिरिराज किशोर

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'गोदान' उपन्यास के कलापक्ष को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'चित्रलेखा' उपन्यास के भावपक्ष को स्पष्ट कीजिए।

2. 'अलग-अलग वैतरणी' उपन्यास में चित्रित ग्रामीण परिवेश को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'परिशिष्ट' उपन्यास में चित्रित विविध समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

3. प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास विधा का परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी उपन्यासों की विविध प्रवृत्तियों का परिचय देते हुए राजनीतिक और जीवनीपरक प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) 'गोदान' उपन्यास के पात्रों का संक्षेप में परिचय दीजिए।

(ख) ऐतिहासिक उपन्यास किसे कहते हैं ?

(ग) 'चित्रलेखा' उपन्यास के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए।

(घ) 'परिशिष्ट' उपन्यास में चित्रित संवाद तत्व का विवेचन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'गोदान' का शीर्षक

(ख) 'चित्रलेखा' उपन्यास का देशकाल वातावरण

(ग) 'परिशिष्ट' उपन्यास का उद्देश्य

(घ) 'अलग-अलग वैतरणी' उपन्यास के पात्र।

munotes.in

(ख) हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास

पाठ्य-पुस्तकें : (*i*) मेरी जीवन यात्रा, भाग 2 : राहुल सांकृत्यायन

(*ii*) एक बूँद सहसा उछली : सच्चिदानन्द वात्स्यायन

(*iii*) चीड़ो पर चाँदनी : निर्मल वर्मा

(*iv*) सूर्य मन्दिरों की खोज में : श्यामसिंह शशि

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. यात्रा साहित्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए विकासक्रम का परिचय दीजिए।

अथवा

द्विवेदीयुगीन यात्रा साहित्य का विवेचन कीजिए।

2. 'मेरी जीवन यात्रा' भाग 2 में चित्रित यात्रानुभव अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'एक बूँद सहसा उछली' में चित्रित समाज जीवन को स्पष्ट कीजिए।

3. 'चीड़ो पर चाँदनी' यात्रावृत्तांत को विशद कीजिए।

अथवा

'सूर्य मंदिरों की खोज में' उद्घाटित समाज को उजागर कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) यात्रा साहित्य का महत्व

(ख) 'चीड़ो पर चाँदनी' में व्यक्त यूरोप

(ग) 'मेरी जीवन यात्रा' भाग-2 की भाषा

(घ) 'एक बूँद सहसा उछली' शीर्षक की सार्थकता।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''मैं खुद अवतारी लामा हूँ, लेकिन उसे बिल्कुल धोखा समझता हूँ। दलाई लामा को छोड़ मैं किसी को अवतारी नहीं मानता।''

अथवा

''आप जब विदेश में आएँ तो वहाँ के लोगों को यह भी अनुभव करने का कारण दीजिए कि आप अपने साथ खर्च करने के लिए पैसों के अलावा भी कुछ लेकर आये हैं।''

(ख) ''मैं पूर्व-ग्रह ग्रस्त नहीं हूँ, किन्तु आज भी मैं किसी जर्मन को देखता हूँ, तो मेरे भीतर एक फिजुल, बेमानी-सी बेचैनी होने लगती है।''

अथवा

''फलतः प्रतिदिन एक व्यक्ति का सिर धड से अलग कर दिया जाता है और यों कितने ही निरीह व्यक्ति सूर्य की बलि चढ़ गए।''

munotes.in

[5502]-2014

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. राजभाषा हिंदी का परिचय देते हुए ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्रयोजनमूलक हिंदी की परिभाषा एवं स्वरूप को विशद कीजिए।

2. विज्ञापन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके प्रकार स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. कम्प्यूटर का महत्व बताकर विविध क्षेत्रों में कम्प्यूटर का योगदान स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिंदी के वेब साईटस् और शब्दकोश साईटस् का परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) पटकथा लेखन के सिद्धान्तों का परिचय दीजिए।

munotes.in

(ख) टेलीविजन धारावाहिक लेखन की विशेषताएँ लिखिए।

(ग) व्यावहारिक प्रूफ शोधन और पृष्ठ सज्जा का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

(घ) फीचर फिल्म लेखन के सिद्धांत का परिचय दीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) पत्रलेखन

(ख) कोश-कार्य

(ग) इंटरनेट और हिंदी

(घ) संवादलेखन।

munotes.in

(घ) हिंदी दलित साहित्य

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) जस-तस भई सबेर—सत्यप्रकाश

(*ii*) जूठन—ओमप्रकाश वाल्मीकि

(*iii*) नयी सदी की पहचान—श्रेष्ठ दलित कहानियाँ

संपादक : मुद्राराक्षस

(*iv*) गूँगा नहीं था मैं—जयप्रकाश कर्दम

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. हिंदी दलित साहित्य के प्रेरणा स्रोतों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी दलित साहित्य की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए।

2. आत्मकथा के तत्वों के आधार पर 'जूठन' की चर्चा कीजिए।

अथवा

'जस-तस भई सबेर' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

3. नयी सदी की पहचान : श्रेष्ठ दलित कहानियाँ, दलित जीवन को अभिव्यक्त करती हैं—विवेचन कीजिए।

अथवा

'शवयात्रा' कहानी की मानवीय संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) दलित साहित्य का महत्व

(ख) दलित और निग्रो साहित्य

(ग) जस-तस भई सबेर उपन्यास का उद्देश्य

(घ) 'गूँगा नहीं था मैं' की प्रेरणा।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''अरे! चूहडे के जाकत कू झाडू लगाने कू कह दिया तो कोण-सा जुल्म हो गया।''

अथवा

''आज रात मैं एकान्त में देवता से बात करूँगा। सुबह आकर पता कर लेना। इस समय निश्चिंत होकर घर चला जा। चिन्ता करने की कोई बात नहीं है। मैं सब सँभाल लूँगा। आखिर तो गलती इन्सान से ही होती है।''

(ख) तू! मेरे मरने का इंतजार भी क्यूँ करै है......इसे आज ही ले जा। और हाँ, अपने पैसों की घौंस मुझे ना दिखा.......अपने धेरै रख......जहाँ इतनी कटगी है, आगे बी कट ही जाएगी।

अथवा

''समाज को प्रगतिशील बनाना है।
जाति के गहर को मिटाना है,
तो तथाकथित धर्मग्रंथों को
आग लगानी होगी, और
नकारना होगा वर्णित उस ईश्वर को
जो क्रमानुसार।
फल देता है
और मोक्ष भी वर्णों के अनुसार।''

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-3011

M.A. (Sem. III) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-9 : सामान्य स्तर—आधुनिक काव्य-1

(महाकाव्य तथा खण्डकाव्य)

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कामायनी—जयशंकर प्रसाद

(*ii*) गोपा गौतम—डॉ. जगदीश गुप्त

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. कामायनी के महाकाव्यत्व को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कामायनी के भाषा-शिल्प पर प्रकाश डालिए।

2. गोपा गौतम खंडकाव्य में व्यक्त आधुनिकता बोध को समझाइए।

अथवा

गोपा गौतम खंडकाव्य का उद्देश्य लिखिए।

3. 'कामायनी की कथा में इतिहास और कल्पना का समन्वय मिलता है' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

गोपा गौतम की शिल्पगत विशेषताएँ लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) कामायनी का मनु

(ख) कामायनी में रूपक तत्व

(ग) गोपा गौतम की भाषा

(घ) गौतम का मानसिक संघर्ष।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) ''नारी! तुम केवल श्रद्धा हो विश्वास-रजत-नग पगतल में, पीयूष-स्रोत-सी बहा करो जीवन के सुंदर समतल में।''

अथवा

''औरों को हँसते देखो मनु-हँसो और सुख पाओ, अपने सुख को विस्तृत कर लो सबको सुखी बनाओ।''

(आ) यंत्रणा थी दोनों ओर
मैं क्या कम पीड़ित-संतप्त था
मुझे लगा
औरों के बीच घिरी
मेरे घर—नारी ही,
जैसे पर—नारी हो
जितनी अनुरक्ति थी
तुम्हारे प्रति
उतनी ही तीखी विरक्ति हुई।

अथवा

''असंभाव्य संभाव्य हो गया!
मेरा सारा सत्व खो गया।
यही सोचती हूँ, रह-रह कर,
क्या लौटेगा बाण—
धनुष से छूट जो गया ?''

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-3012

M.A. (III Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-10 : विशेषस्तर-भाषाविज्ञान

(2013 PATTERN)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. भाषा की परिभाषा स्पष्ट करते हुए उसके अभिलक्षण विशद कीजिए।

अथवा

भाषाविज्ञान की शाखाओं का परिचय दीजिए।

2. स्वनिम की परिभाषा देकर उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

स्वर वर्गीकरण को विस्तार से समझाइए।

3. रूप की परिभाषा देकर रूपिम के भेद स्पष्ट कीजिए।

अथवा

वाक्यविज्ञान की परिभाषा स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप का विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) अर्थबोध के साधन स्पष्ट कीजिए।

(ख) वाक्य विश्लेषण का विवेचन कीजिए।

(ग) शब्द और अर्थ का संबंध समझाइए।

(घ) अर्थ परिवर्तन के कारण विशद कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) व्यंजन वर्गीकरण

(ख) स्वनिम की विशेषताएँ

(ग) भाषा और भूगोल का पारस्परिक संबंध

(घ) भाषाविज्ञान का स्वरूप।

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-3013

M.A. (III Sem.) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-11 : विशेषस्तर हिंदी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. रासोकालीन काव्य परम्परा को विवेचित कीजिए।

अथवा

हिंदी साहित्य लेखन परम्परा को दर्शाते हुए उसकी पद्धतियों की मीमांसा कीजिए।

2. भक्तिकाव्य की परिस्थितियों को विशद कीजिए।

अथवा

भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधाराओं का परिचय कीजिए।

3. रीतिकाल को श्रृंगारकाल कहा है—इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

रीतिकाल के विविध नाम और उनके आधार पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) कृष्ण-काव्य परंपरा पर प्रकाश डालिए।

(ख) भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप संक्षेप में बताइए।

(ग) सूफ़ी काव्य का वैचारिक आधार तथा स्वरूप को संक्षेप में लिखिए।

(घ) चिंतामणि का परिचय दीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'रासो' शब्द के विभिन्न अर्थ

(ख) रैदास

(ग) वल्लभ परम्परा

(घ) रीतिकालीन भक्ति साहित्य।

munotes.in

Total No. of Questions—**5+5+5**] [Total No. of Printed Pages—**6**

Seat No.	

[5502]-3014

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्न-पत्र 12 : विशेषस्तर वैकल्पिक

(2013 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए।

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

(आ) अनुवाद विज्ञान

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. हिंदी आलोचना में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आलोचना की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

2. हिंदी आलोचना के क्षेत्र में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना पद्धति का विवेचन कीजिए।

3. समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

आलोचक के रूप में डॉ. नंददुलारे वाजपेयी का योगदान स्पष्ट कीजिए।

munotes.in

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) डॉ. नामवर सिंह के किन्हीं **दो** आलोचना ग्रंथों का परिचय दीजिए।

(ख) हिंदी आलोचना और सर्जनशील साहित्य को स्पष्ट कीजिए।

(ग) आलोचना के प्रमुख उद्देश्य लिखिए।

(घ) डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना पद्धति की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आलोचक के गुण

(ख) आलोचक डॉ. नगेंद्र

(ग) विडम्बना

(घ) अनुसंधान और आलोचना।

munotes.in

[5502]-3014

(आ) अनुवाद विज्ञान

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''अनुवाद कला और विज्ञान भी है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

अनुवाद की प्रक्रियागत स्थितियों के आधार पर अनुवाद प्रक्रिया का विवेचन कीजिए।

2. प्रक्रिया के आधार पर अनुवाद के प्रमुख प्रकारों का परिचय दीजिए।

अथवा

अनुवाद और भाषाविज्ञान के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट कीजिए।

3. वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद की आवश्यकता एवं सीमाएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

वाणिज्य और व्यापार क्षेत्र की सामग्री के अनुवाद का स्वरूप तथा समस्याओं का परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) कम्प्यूटर अनुवाद की समस्याएँ लिखिए।

munotes.in

(ख) अनुवाद समीक्षा की आवश्यकता स्पष्ट कीजिए।

(ग) अनुवाद और वाक्यविज्ञान के अंत:संबंधों को स्पष्ट कीजिए।

(घ) शब्दानुवाद और रूपांतरण के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अर्थांतरण का स्वरूप

(ख) भावानुवाद

(ग) अनुवाद और अर्थविज्ञान

(घ) मुहावरों और कहावतों का अनुवाद।

munotes.in

[5502]-3014

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. जनसंचार माध्यम का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भारतीय संचार तकनीकी के इतिहास को संक्षेप में लिखते हुए लोकतांत्रिक संचार को स्पष्ट कीजिए।

2. प्रिंट पत्रकारिता के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

विश्व पत्रकारिता के उदय पर प्रकाश डालिए।

3. समाचार के विभिन्न स्रोतों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

जनसंचार माध्यमों के लिए लिखे गए साहित्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) हिंदी पत्रकारिता के विकास में लघु पत्रिकाओं की भूमिका विशद कीजिए।

munotes.in

(ख) मुक्त प्रेस की अवधारणा को समझाइए।

(ग) 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध की हिंदी पत्रकारिता को स्पष्ट कीजिए।

(घ) हिंदी की लघु पत्रकारिता पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) मल्टीमीडिया और इंटरनेट पत्रकारिता।

(ख) जनसंचार माध्यमों में धार्मिक कार्यक्रमों की भाषा।

(ग) भारतीय संविधान में प्रदत्त सूचनाधिकार।

(घ) पत्रकारिता का सामाजिक दायित्व।

munotes.in

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—2

Seat No.	

[5502]-4011

M.A. (Part II) (Fourth Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-13 (सामान्य स्तर)

आधुनिक काव्य-2

(विशेष कवि कुँवर नारायण तथा नई कविता)

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 50**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) विशेष कवि – कुँवर नारायण
संपा : डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. नीला बोर्वणकर
(*ii*) नई कविता
संपा : डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. अलका पोतदार

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. कुँवर नारायण के काव्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

कुँवर नारायण के काव्य में अभिव्यक्त आधुनिकता बोध पर प्रकाश डालिए।

2. नई कविता के अनुभूति पक्ष को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

लीलाधर जगूडी के काव्य का कथ्य समझाइए।

3. कात्यायनी के काव्य की भावगत विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

दामोदर मोरे के काव्य का अभिव्यक्ति पक्ष समझाइए।

munotes.in

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(*i*) 'चक्रव्यूह' कविता का भाव

(*ii*) 'कायदा' कविता की संवेदना

(*iii*) नई कविता की प्रमुख विशेषताएँ

(*iv*) दामोदर मोरे की कविता में व्याप्त विद्रोह एवं क्रांति।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(*i*) "लगभग दस बजे रोज़
वही घटना
फिर घटती है।
वही लोग
उसी तरह"

अथवा

"अयोध्या इस समय तुम्हारी अयोध्या नहीं
योद्धाओं की लंका है,
'मानस' तुम्हारा 'चरित' नहीं
चुनाव का डंका है"

(*ii*) "मेरे हाथ में टूटा हुआ पहिया,
पिघलती आ-सी संध्या
बदन पर एक फूटा कवच,
सारी देह क्षत-विक्षत"

अथवा

"बहुत कुछ दे सकती है कविता
क्योंकि बहुत कुछ हो सकती है कविता
जिंदगी में"

munotes.in

Total No. of Questions—**5**]

[Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-4012

M.A.-II (IV Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

(प्रश्नपत्र-14)

(विशेषस्तर : हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास)

(2013 PATTERN)

munotes.in

समय : तीन घंटे

पूर्णांक : 50

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतीय आर्यभाषाओं का वर्गीकरण विभिन्न विद्वानों ने किस प्रकार किया है?

अथवा

हिंदी भाषा के उद्‌भव एवं विकास की पृष्ठभूमि विशद कीजिये।

2. ब्रज तथा अवधी बोलियों का परिचय देकर उनकी व्याकरणिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिये।

अथवा

हिंदी के प्रचार-प्रसार के आंदोलन में विविध व्यक्तियों के योगदान पर प्रकाश डालिए।

3. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

हिंदी व्याकरण की संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण का सामान्य परिचय दीजिये।

P.T.O.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(1) 'अपभ्रंश' हिंदी का सामान्य परिचय दीजिये।

(2) भारतीय आर्य भाषाओं का हरदेव बाहरी द्वारा किए गए वर्गीकरण को स्पष्ट कीजिये।

(3) हिंदी के अव्ययों का विकासक्रम लिखिए।

(4) ब्राह्मी लिपि का परिचय दीजिये।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) प्राकृत हिंदी

(2) पूर्वी हिंदी की बोलियों का परिचय

(3) हिंदी की संवैधानिक स्थिति

(4) खड़ी बोली।

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-4013

M.A. (Part II) (Fourth Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

(प्रश्नपत्र—15 : विशेष स्तर—हिंदी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल)

(2013 PATTERN)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. हिंदी कहानी साहित्य का विकासात्मक परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी नाटक और रंगमंच का उद्‌भव एवं विकास स्पष्ट कीजिए।

2. भारतेंदु युगीन हिंदी कविता की सामान्य प्रवृत्तियों का विस्तार से विवेचन कीजिए।

अथवा

नई कविता की सामान्य प्रवृत्तियों को स्पष्ट करते हुए मुक्तिबोध की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

3. प्रेमचंदोत्तर प्रमुख उपन्यासों का परिचय देते हुए उनका महत्व विशद कीजिए।

अथवा

हिंदी निबंध साहित्य का विकासक्रम स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(अ) कहानीकार उदय प्रकाश का सामान्य परिचय दीजिए।

(ब) हिंदी आत्मकथा साहित्य का परिचय दीजिए।

(क) प्रयोगवादी कविता में 'अज्ञेय' के योगदान पर प्रकाश डालिए।

(ड) हिंदी नाटक के विकासक्रम में भारतेंदु हरिश्चंद्र की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) कवि दुष्यंत कुमार।

(ख) हिंदी संस्मरण साहित्य।

(ग) निबंधकार आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

(घ) कहानीकार प्रेमचंद।

munotes.in

Total No. of Questions—**5+5+5**] [Total No. of Printed Pages—**6**

Seat No.	

[5502]-4014

M.A. (Part-II) (Fourth Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-16 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

(2013 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना : — निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) भारतीय साहित्य

(ख) लोक साहित्य

(ग) अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

munotes.in

(क) भारतीय साहित्य

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं की चर्चा कीजिए।

अथवा

भारतीय साहित्य की सामान्य विशेषताएँ विशद कीजिए।

2. 'बारोमासा' की शिल्पगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

'बारोमासा' के प्रमुख पात्रों की चरित्रगत विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

3. ‘नागमंडल’ की मंचीय सफलता की चर्चा कीजिए।

अथवा

भारतीय नाट्य जगत् में गिरीश कर्नाड का स्थान निर्धारित कीजिए।

4. ‘खानाबदोश’ के आधार पर भारतीय नारी के जीवन की समस्याओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

आत्मकथा के तत्त्वों के आधार पर ‘खानाबदोश’ की समीक्षा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भारतीय साहित्य का स्वरूप

(ख) ‘बारोमासा’ का उद्देश्य

(ग) ‘नागमंडल’ की मिथकीय चेतना

(घ) अतीत कौर का जीवन संघर्ष।

munotes.in

[5502]-4014

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

(ख) लोक साहित्य

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. लोक साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए लोक साहित्य की विशेषताएँ विशद कीजिए।

अथवा

लोक साहित्य और विविध ज्ञान शाखाओं का परस्पर संबंध स्पष्ट कीजिए।

2. लोक साहित्य के संकलन का उद्देश्य और उसकी विभिन्न पद्धतियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

लोकगीत की परिभाषाएँ देते हुए उसकी विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

3. लोककथा में अभिप्राय का महत्व समझाते हुए लोककथाओं के वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

अथवा

लोकवार्ता का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए :

(1) 'सोहर' लोकगीत का परिचय दीजिए।

munotes.in

(2) लोक साहित्य में मुहावरे और कहावतों का महत्त्व विशद कीजिए।

(3) लोक साहित्य में भाव-व्यंजना का विवेचन कीजिए।

(4) 'नोटंकी' की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) रामलीला

(ब) लोकगीत—होली

(क) 'लावनी' का महत्त्व

(ड) हीर-राँझा।

munotes.in

[5502]-4014

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

(ग) अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अनुसंधान की विविध परिभाषाएँ देते हुए अनुसंधान की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अनुसंधान के विविध प्रकार बताते हुए ऐतिहासिक अनुसंधान पर प्रकाश डालिए।

munotes.in

2. अनुसंधान के मूल तत्त्वों की चर्चा कीजिए।

अथवा

साहित्यिक अनुसंधान और आलोचना का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

3. शोध प्रबंध लेखन प्रणाली का विवेचन कीजिए।

अथवा

अनुसंधान प्रक्रिया में सामग्री विश्लेषण का क्या महत्व है ?

4. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए :

(क) अनुसंधान के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत कौनसे हैं ?

(ग) शोध प्रबंध में रूपरेखा की क्या आवश्यकता है ?

(घ) शोध निर्देशक में कौनसे गुण होने चाहिए ?

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'अनुसंधान' शब्द के विविध पर्याय

(ख) सहायक ग्रंथ सूची का महत्त्व

(ग) साहित्येतर अनुसंधान

(घ) विषय चयन प्रक्रिया।

munotes.in